



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	११.०३.२५	३	७-४

दैनिक भास्कर

शोधार्थियों-वैज्ञानिकोंने मृदा स्वास्थ्य पर किया मंथन
शोध व नवाचार से एचएयू व पोलैंड
के बीच खुलेंगे नए रास्ते : काम्बोज



हिसार | हकूमि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ पोलैंड के प्रतिनिधि।

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए प्रशिक्षण के समाप्ति पर एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य

अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशोष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पोलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ वारसॉ व एचएयू के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
निम्न जागरूक	११.०३.२५	५	६४

शोध और नवाचार से हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व पोलैंड के बीच खुलेंगे नए रास्ते : प्रो. काम्बोज

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केंचुआ खाद



कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ पोलैंड प्रतिनिधियों की टीम व अन्य जागरण उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया।

कृषि उत्पादन में नवीनतम तकनीक कर करें उपयोग: उन्होंने बताया कि जैविक विधियों एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ातरी की जा सकती है। कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि पोलैंड की यूनिवर्सिटी आफ वारसा व हकृवि के बीच संबंधों को और

अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल अकादमिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा बल्कि दोनों संस्थाओं के बीच शोध और नवाचार के नए रास्ते भी खुलेंगे।

यह प्रशिक्षण मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश कुमार, पाद्यक्रम निदेशक एवं स्नातकोत्तर अधिष्ठाता, डा. केडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा, उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प्राप्ति कृषि	११.०३.२५	५	३-५

शोध व नवाचार से हकृति व पोलैंड के बीच खुलेंगे नए रास्ते: प्रो. बी.आर. काम्बोज

हकृति में इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

हिसार, 10 मार्च (बूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पढ़तियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए इस प्रशिक्षण के समाप्त अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ पोलैंड प्रतिनिधियों की टीम व अन्य। तत्व प्रबंधन, पादप उत्क संवर्धन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, तकनीक, जैविक कृषि पढ़तियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया।

उन्होंने बताया कि जैविक विधियों एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी की जा सकती है। कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि पोलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ वारसॉ व हकृति के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल अकादमिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा बल्कि दोनों सम्प्राणों के बीच शोध और नवाचार के नए रास्ते भी खुलेंगे। यह प्रशिक्षण मानव संसाधन



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अभ्युत्तमाता	११.०५.२५	२	६४

शोध-नवाचार के खुलेंगे रास्ते : प्रो. कांबोज हिसार की एचएयू और वारसॉ विश्वविद्यालय पोलैंड के बीच हुआ समझौता

माई स्टी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज बताया कि जैविक विधियों एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने बताया कि वारसॉ विश्वविद्यालय पोलैंड व एचएयू के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल अकादमिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा बल्कि दोनों संस्थाओं के बीच शोध और नवाचार के नए रास्ते भी



एचएयू के कुलपति प्रो. कांबोज के साथ पोलैंड का प्रतिनिधिमंडल। छोटा: विवि

खुलेंगे। उन्होंने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय सेल की प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विधीकरण, केंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्क संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया।

प्रशिक्षण मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय और

विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल की ओर से आयोजित किया गया। इस मैट्के पर मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, पाठ्यक्रम निदेशक एवं स्नातकोत्तर अधिष्ठाता, डॉ. केडी शर्मा, डॉ. राजेश गेरा, डॉ. अनुज राणा, डॉ. अनुराग, डॉ. आशा बवानी, पोलैंड के स्नातकोत्तर विद्यार्थी सिजमन रजुकोव्स्की, जूलिया रिइज, इंग सुचोडोलस्का, अन्ना बर्नाओविच, पैट्रीक्जा पुस्जको, मार्टा लास्ज्जका, बार्टलोमीज स्टार्जिन्स्की व इरीना टोवचको शामिल रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाप्ति पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दीर्घ भूमि	११.०३.२५	१२	३-४

हकृति में इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण का आयोजन

हकृति व पोलैंड के बीच शोध से खुलेंगे नए दर्शक

■ वैज्ञानिकों और शोधाधिकारियों ने सतत कृषि से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए।

हरिगूर्ग न्यूज ► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधाधिकारियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। मानव संसाधन



हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के साथ पोलैंड प्रतिनिधियों की टीम व अन्य।

प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए, गए इस प्रशिक्षण के समापन अवसर

पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। यह प्रशिक्षण मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, पाठ्यक्रम निदेशक एवं स्नातकोत्तर अधिष्ठाता,

व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी होना प्रशिक्षण

प्रो. काम्बोज ने सोमवार को अपने संबोधन में कहा कि पोलैंड की युगिवर्सिटी औंक वारसों व हकृति के बीच सङ्केतों को और अधिक सुदूर किया जाएगा। जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल अकादमिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा बल्कि दोनों संस्थाओं के बीच शोध और नवाचार के नए सारे भी खुलेंगे।

डॉ. केंडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुज राणा व डॉ. अनुराग द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में वारसो विश्वविद्यालय, पोलैंड के पांच स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं तीन तकनीकी सदस्यों ने भाग लिया। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में सिजमन सुजुकोव्स्की, जूलिया रिहज, इंग सुचोडोलस्का, अन्ना बनर्जी-विच्च, व पैट्रीक्जा पुस्जको तथा टेक्नीकल स्टाफ में मार्टा लास्जका, बार्टलोमीज स्टार्जिन्स्की तथा इरीना टोवचको शामिल रहे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सेल की प्रभारी डॉ. आशा कवात्रा भी उपस्थित रही।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक त्रिभुवन	११.०३.२५	७	५५

हक्किम में इंडो-पोलिश प्रशिक्षण शिविर

शोध से हक्किम व पोलैंड के बीच खुलेंगे नये रास्ते : काम्बोज

हिसार, 10 मार्च (हप्त)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए इस प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अधितिथि के तौर पर मौजूद रहे।

प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केचुआ खाद उत्पादन,

मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जैविक विधियों एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी की जा सकती है। कृषि क्षेत्र में उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि पोलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ वारसॉ व हक्किम के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे। यह प्रशिक्षण मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, पाठ्यक्रम निदेशक एवं स्नातकोत्तर अधिष्ठाता, डॉ. कैडी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुज राणा व डॉ. अनुराग द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड के पांच स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं तीन तकनीकी सदस्यों ने भाग लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ज्ञान सभाभाषण	११.०३.२५	१	६४

हफ्ते में इंडो-पोलिश अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

हिसार, 10 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधाधिर्थों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए इस प्रशिक्षण के समाप्त अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.



कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के साथ पोलैंड प्रतिनिधियों की टीम व अन्य। बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधाधिर्थों के बीच फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, केंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जैविक विधियों एवं नवीनतम तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ौतरी की जा सकती है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	10.03.25	--	--

शोध व नवाचार से हकूमि व पोलैंड के बीच खुलेंगे नए रास्ते: प्रो. काम्बोज

हकूमि में इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित

सिटीपल्स न्यूज, हिसर। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय इंडो-पोलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधाधिकारियों ने सतत कृषि पद्धतियां, मृदा स्वास्थ्य और जीवाणु प्रौद्योगिकी सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किए गए इस प्रशिक्षण के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधाधिकारियों के बीच



फसल अवशेष और खरपतवार प्रबंधन, एकोकृत कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण, कंचुआ खाद उत्पादन, मृदा स्वास्थ्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्तक संवर्धन तकनीक, जैविक कृषि पद्धतियां, जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक और कृषि उद्यमिता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पोलैंड की यूनिवर्सिटी ऑफ वारसॉ व हकूमि के बीच संबंधों को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवसर खुलेंगे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल अकादमिक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभकारी रहेगा बल्कि दोनों संस्थाओं के बीच शोध और नवाचार

के नए रास्ते भी खुलेंगे।

यह प्रशिक्षण मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार, पाद्यक्रम निदेशक एवं स्नातकोत्तर अधिकारी, डॉ. केढी शर्मा, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. गणेश गेगा, पाद्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुज राणा व डॉ. अनुगा द्वारा आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड के पांच स्नातकोत्तर विद्यार्थी एवं तीन तकनीकी सदस्यों ने भाग लिया। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में सिजमन रजुकोव्स्की, जूलिया रिङ्ज, इंगा सुचोडोलस्का, अन्ना बनाओविच, व पैट्रोकजा पुस्जको तथा टेक्नोकल स्टाफ में मार्टा लास्जका, बार्टलोमीज स्टार्जिन्स्की तथा इरीना टोवच्को शामिल रहे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सेल की प्रभारी डॉ. आशा क्रात्रा भी उपस्थित रही।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	10.03.25	--	--

शोध व नवाचार से हक्किवि व पोलैंड के बीच खुलेंगे नए रास्ते : प्रो. काम्बोज

पुस्तकों द्वारा



हिमार। वैभवी चरण सिंह हरियाणा कृषि विकासितालय में पांच दिवसीय ईडे-पॉलिश अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम अन्तर्भूति किया गया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थी एवं शोधाधिकारी ने सतत कृषि पद्धतियां, मुद्रा स्वाम्प्य और जीवाणु प्रोटोकॉलों सहित कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर जागरूक दिया। मानव संसाधन प्रबंधन नियोजनालय, मौलिक विज्ञान एवं वनविज्ञानी मानविक्यालय तथा विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय सेल द्वारा संस्कृत रूप से अन्तर्भूति किए गए इस प्रशिक्षण के सम्पन्न अवसर पर विश्वविद्यालय के कल्पनात् प्रो. श्री आर. काम्पोजे मुख्य अंतिम के तौर पर मौजूद रहे।

प्रो. बी.आर. कामवेज ने अपने संबोधन में कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण के दौरान वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों के बीच फसल अवरोप और खरपतवार प्रबंधन, एकोसुर्त कृषि प्रणाली, फसल विधिविदीकरण, कैनूनी खाद उत्पादन, मृदु स्थान्य और पोषक तत्व प्रबंधन, पादप उत्पादन संवर्धन तकनीक, जैविक तकनीकों का उपयोग करके कृषि उत्पादन में बढ़ोत्तरी जी जा सकती है। कृषि क्षेत्र में उत्पादित की अपार संभावनाएँ हैं। उत्तमोन्मत्ता कारबाही के पांतीड़ी की युनिवरिसिटी आठ वर्ष से वह हक्किं के बीच संवर्धनीय हो और अधिक मुद्रा किया जाएगा, जिससे शोध के नए अवधार खुलेंगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न

A black and white photograph of nine individuals, seven women and two men, standing in a row. They are dressed in professional attire, including blazers, shirts, and trousers. The background shows office cubicles and shelves.

केवल अकार्यीक और व्यावसायिक दृष्टि से लाभप्रदी होना वहिन देने सम्भालों के बीच गोपी और नकारात के नए रुपों भी मौजूदे। यह प्रशिक्षण यात्रा मन्दिरमन्द प्रवेशम निरेशक डॉ. मंगेश कुमार, पाठ्यक्रम निरेशक एवं भारतकोर्स अधिकारी, डॉ. केंद्री शर्मा, मोहित विजयन एवं मार्गिनिको महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. गजेश येरा, पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनुब्रहण गांव वडा अनुब्रहण द्वारा आयोजित नियोग गता। इस प्रशिक्षण में वारसा विश्वविद्यालय, पोलैंड के पांच भारतकोर्स विद्यार्थी एवं तीन सकारात्मकी सदस्य ने भाग लिया। भारतकोर्स विद्यार्थियों में इनमें रुद्रोदेव्य, जूलिया रिहुर, कृष्ण मुख्यांडानस्का, अन्ना चन्द्रोपद्धिव, व पैट्रिक पुस्लाको तथा टेक्नोकॉल स्टार्प में मार्ग नामकका, बल्टिस्टोप्रेस टर्सिन्स्की तथा दीपा द्विवेदी को शामिल रहे। इस असर पर अंतरराष्ट्रीय मेल की प्रभारी डॉ. आशा कवां भी उपस्थित रही।

**गांव देवा में 7 दिवसीय
एनएसएस शिविर सम्पन्न**
हिसार। चौथे चरण में ही शिविर कार्यक्रम
विषयवाचालय के सम्पादनिक विज्ञापन
मालाविकालय को गढ़वाल संघ बोना इकाई
द्वारा गांव देवा में मात्र दिवसीय शिविर
आयोजित किया गया। शिविर के सम्पादन
अवसर छत्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन
मुख्यचुद्ध मधुर अंतिथि के नाम पर और गो-

उत्तर कल्पना निरेक हो। मदन खीचड़ी
ने स्वयंसेवकों में समाज पर्याप्त गति की उत्तिर
के लिए एक दृष्टि होकर काम करने का आहुत्सु
किश। उद्देश्य काम कि पर्याप्तता समझा के
लिए पीछारोंवाल बहुत जल्दी हो। इसलिए इस
क्षेत्र में स्वयंसेवकों को और अधिक काम करने
की जरूरत है। उद्देश्य काम कि गुणीत्व सेवा
योग्यता के उद्देश्य में सामाजिक सेवा की
भावना विकसित करना, व्यक्तित्व विकास,
सामाजिक सेवाओं के प्रति जागरूकता,
सामाजिक समस्तों, गुणीत्व एकता तथा
स्वद्वारा शामिल है।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टौर भूमि	११.०३.२५	१२	२-५

पर्यावरण संरक्षण को पौधरोपण जल्दी : डॉ. खीचड़

- हक्कियां द्वारा गांव देवा में ७ दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन

हाइमूनि न्यूज ► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गांव देवा में सात दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर के समापन अवसर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने स्वयंसेवकों से समाज एवं राष्ट्र की उन्नति के लिए एकजुट होकर कार्य



हिसार। विजेताओं बच्चों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि डॉ. मदन खीचड़।

करने का आह्वान किया। उन्होंने उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए योजना के उद्देश्यों में सामुदायिक पौधरोपण बहुत जरूरी है। इसलिए इस क्षेत्र में स्वयंसेवकों को और अधिक काम करने की जरूरत है।

प्रतियोगिता करवाई

स्कूल की प्रधानाचार्य कृष्ण देवी ने शिविर के द्वारा अपना संपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम की संयोजक हॉ. रीना ने बताया कि विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएँ भी करवाई गईं। स्वयंसेवकों को विशिष्ट प्रेणियों में पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता तथा स्वच्छता शामिल हैं। गांव की सरपंच सुमन देवी ने अपने अनुभवों को व्यक्त करते हुए स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया और उनको जीवन में आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब सर्वे	११.०३.२५	२	७-८

गांव देवा में 7 दिवसीय एन.एस. एस. शिविर का समापन

हिसार, 10 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गांव देवा में सात दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर के समापन अवसर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खीचड़ ने स्वयंसेवकों से समाज एवं राष्ट्र की उन्नति के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। इसलिए इस क्षेत्र में स्वयंसेवकों को और अधिक काम करने की जरूरत है।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों में सामुदायिक सेवा की भावना विकसित करना, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक सेवाओं के प्रति जागरूकता, सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता तथा स्वच्छता शामिल



मुख्य अतिथि विजेताओं के साथ।

हैं। गांव की सरपंच सुमन देवी ने अपने अनुभवों को व्यक्त करते हुए स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया और उनको जीवन में आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी।

स्कूल की प्रधानाचार्य कृष्णा देवी ने शिविर के दौरान अपना संपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रीना ने बताया कि विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं भी करवाई गई। स्वयंसेवकों को विशिष्ट श्रेणियों में पुरस्कार, स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के अध्यापक, विद्यार्थी और ग्रामीण उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	११. ०३. २५	९	७-८



प्रतियोगिता में भाग लेते हुए विद्यार्थी।

हृकृति द्वारा एनाएसएस शिविर का आयोजन

हिसार, 10 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा गांव देवा में सात दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर के समापन अवसर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खोचड़ मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. मदन खोचड़ ने स्वयंसेवकों से समाज एवं राष्ट्र की उत्तित के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण बहुत जरूरी है। इसलिए इस क्षेत्र में स्वयंसेवकों को और अधिक काम करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों में सामुदायिक सेवा की भावना

विकसित करना, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक सेवाओं के प्रति जागरूकता, सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता तथा स्वच्छा शामिल हैं। गांव की सरपंच सुप्रबंद्ध देवी ने अपने अनुभवों को व्यक्त करते हुए स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन किया और उनको जीवन में आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। स्कूल की प्रधानाचार्य कृष्णा देवी ने शिविर के दौरान अपना संपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रीता ने बताया कि विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं भी करवाई गई। स्वयंसेवकों को विशिष्ट श्रेणियों में पुस्तकार, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के अध्यापक, विद्यार्थी और ग्रामीण उपस्थित रहे।